



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 6, 2004/माघ 17, 1925

No. 28]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 6, 2004/MAGHA 17, 1925

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

अ सूचना

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2004

सं. एल-7/25(6)/2004.—केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 178 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त सामर्थ्यकारी सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्व प्रकाशन के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय - 1- प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

(क) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान करने और अन्य सहबद्ध विषयों के लिए प्रक्रिया, निबंधन और शर्तें) विनियम, 2004 है।

(ख) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं और निर्वचन

(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ या विषयवस्तु से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” से विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) अभिप्रेत है ;

(ख) “आवेदक” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने आयोग को अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन किया है :

परन्तु यह कि ऐसा व्यक्ति भारत का निवासी हो या भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीकृत भागीदारी फर्म हो या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समामेलित कोई कंपनी हो या

व्यष्टिक संगम या निकाय हो चाहे समामेलित हो या नहीं या भारतीय विधि के अधीन रहते हुए, कृत्रिम विधिक व्यक्ति हो ;

- (ग) “करार” से एक ओर विद्युत व्यापारी और विद्युत विक्रेता तथा दूसरी ओर विद्युत व्यापारी और विद्युत क्रेता के बीच हुआ करार अभिप्रेत है ;
- (घ) “आयोग” से अधिनियम की धारा 76 में निर्दिष्ट केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग अभिप्रेत है ;
- (ङ) “कारबार का संचालन विनियम” से समय-समय पर, यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (कारबार का संचालन) विनियम, 1999 अभिप्रेत है और इसमें इसकी कोई कानूनी अधिनियमिति भी सम्मिलित है ;
- (च) “ग्रिड कोड” से अधिनियम की धारा 79 की उपधारा (1) के खंड (ज) के अधीन आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट ग्रिड कोड अभिप्रेत है और इसमें इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को लागू भारतीय विद्युत ग्रिड कोड सम्मिलित है ;
- (छ) “अंतर-राज्यिक व्यापार” से किसी एक राज्य-क्षेत्र से किसी दूसरे राज्य-क्षेत्र को विद्युत व्यापारी द्वारा विद्युत का अंतरण अभिप्रेत है ;
- (ज) “अनुज्ञप्ति” से विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत का अंतर-राज्यिक व्यापार आरंभ करने के लिए अधिनियम की धारा 14 के अधीन प्रदत्त की गई अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है ;
- (झ) “अनुज्ञप्तिधारी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसे अधिनियम की धारा 14 के अधीन विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत का अंतर-राज्यिक व्यापार आरंभ करने के लिए अनुज्ञप्ति प्रदत्त की गई है ;
- (ञ) “अन्य कारबार” से अंतर-राज्यिक व्यापार के अनुज्ञप्त कारबार के सिवाय अनुज्ञप्तिधारी का कोई कारबार अभिप्रेत है ;
- (ट) “वर्ष” से वर्ष के 1 अप्रैल से आगामी वर्ष के 31 मार्च तक की बारह मास की अवधि अभिप्रेत है ।

(2) यथापूर्वोक्त के सिवाय और जब तक कि संदर्भ या विषय के विरुद्ध अन्यथा अपेक्षित न हो, इन विनियमों में प्रयुक्त शब्दों और पदों के, जो इन विनियमों में परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम और ग्रिड कोड में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम या ग्रिड कोड में, क्रमशः हैं।

(3) समय-समय पर, यथासंशोधित साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) के उपबंध इन विनियमों के निर्वचन के लिए ऐसे लागू होंगे मानो वे संसद के अधिनियम के निर्वचन के लिए लागू होते हैं।

(4) ये विनियम एक ओर उत्पादन कंपनी, जिसमें कैपटिव उत्पादन संयंत्र सम्मिलित है, वितरण अनुज्ञप्तिधारी और विद्युत व्यापारी तथा दूसरी ओर विद्युत व्यापारी और वितरण अनुज्ञप्तिधारी के बीच द्विपक्षीय रूप से किए गए व्यापार को लागू होते हैं :

परन्तु यह कि इन विनियमों की परिधि और उषयुक्तता का राज्य विद्युत विनियामक आयोग द्वारा वितरण में खुली पहुंच या आयोग द्वारा ऊर्जा विनियम बाजार को आरंभ करने के लिए विनियमों की विरचना करने के साथ समय-समय पर, पुनर्विलोकन किया जा सकेगा।

अध्याय - 2 अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु प्रक्रिया

3. इन विनियमों के अधीन सभी कार्यवाहियां कारबार संचालन विनियमों द्वारा शासित होंगी।
4. (1) अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु आवेदन आयोग को इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट रीति से, इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप-1 में किया जाएगा और उसके साथ ऐसी फीस संलग्न की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाए :

परन्तु यह कि इस समय तक फीस केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाती है और अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने वाले आवेदन के साथ 1.00 लाख रुपए (केवल एक लाख रुपए) की फीस संलग्न की जाएगी जो सहायक सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट या संदाय आदेश के माध्यम से

संदेय होगी और इस प्रकार संदत्त फीस, जब कभी भी फीस केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाती है, समायोजन के अधधीन होगी ।

- (2) अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने वाले आवेदन को उपाबंधों और संलग्नों के साथ आयोग की कम्पैक्ट डिस्क (सी.डी) पर प्रस्तुत किया जाएगा ।
- (3) आवेदक अपनी स्वयं की वेबसाइट या प्राधिकृत किसी अन्य वेबसाइट पर पूर्ण आवेदन को उपाबंधों और संलग्नों के साथ प्रदर्शित करेगा जिससे कि कोई भी व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से आवेदन तक पहुंच सके ।
- (4) आवेदक ऐसा आवेदन करने के पश्चात् 7 दिन के भीतर, कम से कम दो राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्रों, जिसमें एक आर्थिक समाचारपत्र भी सम्मिलित है, और व्यापार के क्षेत्र या क्षेत्रों में आने वाले दो स्थानीय समाचारपत्रों में, जिसमें से एक देशी भाषा होगा, अपने आवेदन की सूचना निम्नलिखित विशिष्टियों के साथ प्रकाशित करेगा, अर्थात् :—

(क) आवेदक का नाम सबसे ऊपर बड़े अक्षरों में स्पष्ट रूप से होगा चाहे आवेदक व्यक्ति हो, भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीकृत भागीदारी हो, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी हो या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन समामेलित कोई पब्लिक लिमिटेड कंपनी हो जिसमें उसके कार्यालय का पता और कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन समामेलित कंपनी की दशा में, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते की पूर्ण विशिष्टियां भी होंगी ।

(ख) एक ऐसा कथन कि आवेदक ने, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग को अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन अंतर-राज्यिक व्यापार में अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन किया है ।

(ग) आवेदक का शेयरधारण पैटर्न, वित्तीय और तकनीकी सामर्थ्य और प्रबंध प्रोफाइल ;

- (घ) अनुज्ञप्ति प्रदान करने के पश्चात् पहले वर्ष के दौरान, व्यापार किए जाने के लिए आशयित विद्युत की मात्रा और अगले पांच वर्षों के दौरान व्यापार के लिए भावी योजनाएं ;
 - (ङ) इसी प्रकार के या वैसे ही क्रियाकलाप में आवेदक या व्यक्तियों के इसके प्रबंध पर पिछले अनुभव के ब्यौरे ;
 - (च) ऐसे भौगोलिक क्षेत्र, जिनमें आवेदक विद्युत में व्यापार आरंभ करेगा जैसा कि आयोग को किए गए आवेदन में कथित है ;
 - (छ) इस आशय का एक कथन कि आयोग के समक्ष फाइल किया गया आवेदन और अन्य दस्तावेज किसी व्यक्ति द्वारा समय-समय पर निरीक्षण करने के लिए आवेदक के पास उपलब्ध हैं ;
 - (ज) ऐसे व्यक्ति, जिसके साथ किसी व्यक्ति द्वारा, आवेदन और अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता है, के नियंत्रणाधीन व्यक्ति का नाम और पता तथा अन्य सुसंगत ब्यौरे ;
 - (झ) इस आशय का एक कथन कि पूर्ण आवेदन आवेदक की वेबसाइट पर या उस वेबसाइट, जिसमें आवेदन उपलब्ध है, के ब्यौरों सहित किसी अन्य प्राधिकृत वेबसाइट पर उपलब्ध है ;
 - (ञ) आपत्तियों का कथन, यदि कोई हों, सूचना के प्रकाशन के तीस दिन के भीतर, आवेदक को, आपत्तियों की प्रति सहित सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, सातवीं मंजिल, कोर-3, स्कोप काम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 के समक्ष या उस पते पर, जहां आयोग का कार्यालय अवस्थित है, फाइल किया जाएगा ।
- (5) आवेदक, यथापूर्वोक्त सूचना के प्रकाशन की तारीख से सात दिन के भीतर आयोग को प्रकाशित सूचना के ब्यौरों को शपथपत्र पर प्रस्तुत करेगा और उन समाचारपत्रों की सुसंगत प्रतियां भी फाइल करेगा जिनमें सूचना प्रकाशित हुई है ।

- (6) आवेदक समाचारपत्रों में इसके प्रकाशन के पैंतालीस दिनों के भीतर सूचना के प्रत्युत्तर में प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर अपनी टीका-टिप्पणियां फाइल करेगा ।
- (7) आयोग, सुनवाई के माध्यम से या सुनवाई के बिना, जैसा वह समुचित समझे, अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने वाले आवेदन पर विचार करेगा :

परन्तु यह कि आयोग अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबंधों के अधीन ऐसी अनुज्ञप्ति को जारी करने के लिए अर्हित है, अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए आवेदन जारी कर सकेगा :

परन्तु यह और कि अनुज्ञप्ति प्रदान करने से पूर्व, आयोग, ऐसे दो समाचारपत्रों में, जैसा वह आवश्यक समझे, अनुज्ञप्ति प्रदान करने के अपने प्रस्ताव की सूचना प्रकाशित करेगा जिसमें ऐसे अन्य व्योशों सहित जैसा वह उचित समझे, उस व्यक्ति का नाम और पता होगा जिसे अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए प्रस्तावित किया गया है ।

- (8) यथासाध्यशीघ्र इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप 2 में विहित प्ररूप के अनुसार अनुज्ञप्ति प्रदान की जाएगी ।

अध्याय-3 : विद्युत व्यापारी की अपेक्षाएं

5. तकनीकी अपेक्षाएं

- (1) आवेदक कम से कम एक पूर्णकालिक वृत्तिक होगा जिसे निम्नलिखित में से प्रत्येक क्षेत्र में अनुभव हो, अर्थात् :--
 - (i) ऊर्जा प्रणाली प्रचालन तथा ऊर्जा अंतरण के वाणिज्यिक पहलुओं ; और
 - (ii) वित्त, वाणिज्य और लेखा ।

- (2) इस तथ्य के होते हुए भी कि आयोग ने अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान कर दी है, व्यापारिक गतिविधियां आरंभ करने से पूर्व, कर्मचारिवृंद की तकनीकी अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाएगा ।
- (3) आवेदक अंतर-राज्यिक व्यापार आरंभ करने से पूर्व, आयोग को उसके द्वारा पूर्णकालिक आधार पर नियोजित वृत्तिकों और सहायक कर्मचारिवृंदों का ब्यौरा देगा ।
6. पूंजी पर्याप्तता अपेक्षाएं और उधारपात्रता--आरंभ किए जाने के लिए प्रस्तावित अंतर-राज्यिक व्यापार की मात्रा पर विचार करते हुए, आवेदन के समय विद्युत व्यापारी का शुद्ध मूल्य नीचे विनिर्दिष्ट रकम से कम नहीं होगा :--

क्र.सं.	व्यापार अनुज्ञप्ति का प्रवर्ग	प्रतिवर्ष व्यापार किए जाने के लिए प्रस्तावित विद्युत की मात्रा (किलोवाट घंटों में)	शुद्ध धन (रुपए करोड़ में)
1	क	100 मिलियन तक	1.50
2	ख	100 से 200 मिलियन	3.0
3	ग	200 से 500 मिलियन	7.5
4	घ	500 से 700 मिलियन	10.0
5	ङ	700 से 1000 मिलियन	15.00
6	च	1000 मिलियन से ऊपर	20.00

अध्याय-4 : अनुज्ञप्ति के निबंधन और शर्तें

7. अनुज्ञप्तिधारी की बाध्यताएं

अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित बाध्यताओं के अधीन होगा, अर्थात् :--

- (क) अनुज्ञप्तिधारी विधि में प्रवृत्त और विशिष्टतया अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों की अपेक्षाओं, ग्रीड कोड, आदेशों और आयोग और राज्य विद्युत विनियामक आयोग (आयोगों) द्वारा, समय-समय पर, जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा ।
- (ख) यदि व्यापार की मात्रा निम्न प्रवर्ग से उच्च प्रवर्ग की ओर बढ़ती है तो अनुज्ञप्तिधारी अपने शुद्ध धन में वृद्धि करेगा और प्रवर्ग के परिवर्तन पर प्रत्येक वर्ष के 31 मार्च को व्यापार की गई विद्युत की मात्रा के आधार पर निनिश्चय किया जाएगा और जिस वर्ष अनुज्ञप्तिधारी एक प्रवर्ग से दूसरे प्रवर्ग की ओर बढ़ने तथा शुद्ध धन में पश्चात्पूर्व परिवर्तन की सूचना आयोग को देगा ।
- (ग) अनुज्ञप्तिधारी आयोग द्वारा, समय-समय पर यथा नियत अंतर-राज्यिक व्यापार के लिए व्यापार मार्जिन के अधीन रहते हुए होगा ।
- (घ) ऐसा अनुज्ञप्तिधारी, जो विद्युत व्यापारी है, इन विनियमों में आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट तकनीकी अपेक्षाओं, पूंजी पर्याप्तता अपेक्षा और उधारपात्रता द्वारा शासित होगा और जब व्यापार की मात्रा में वृद्धि होती है तब इन तकनीकी और पूंजी पर्याप्तता अपेक्षाओं, जिसमें कर्मचारिवृद्ध भी हैं, में वृद्धि करेगा ।
- (ङ) अनुज्ञप्तिधारी व्यापार आरंभ करने से पूर्व, टेलीफोन, फ़ैक्स, कंप्यूटर, इंटरनेट सुविधाओं जैसी पर्याप्त संचार सुविधाएं स्थापित करेगा ।
- (च) अनुज्ञप्तिधारी, व्यापार से संबंधित सभी क्रियाकलापों की बाबत, यथास्थिति, प्रादेशिक विद्युत बोर्डों या प्रादेशिक ऊर्जा समितियों, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्रों/राज्य भार प्रेषण केन्द्रों और केन्द्रीय पारेषण उपयोगिताओं/राज्य पारेषण उपयोगिताओं के साथ समन्वय करेगा ;
- (छ) अनुज्ञप्तिधारी आयोग द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को अनुज्ञप्ति से संबंधित सभी कर्तव्यों को कार्यान्वित करने के लिए सभी प्रकार की सहायता देगा ।

- (ज) व्यापार पक्षकारों के बीच समुचित संविदा करके द्विपक्षीय रूप से किया जाएगा । विद्युत के प्रदाय के संबंध में व्यापार के माध्यम से आवश्यक सुरक्षोपाय किए जाएंगे या व्यापार किए गए विद्युत के लिए संदाय को पक्षकारों के बीच हुए करार में सम्मिलित किया जाएगा । सभी व्यापार संबंधी ठहराव प्रत्यय-पत्र या किसी अन्य उच्चतर लिखत के माध्यम से किए जाएंगे ।
- (झ) अनुज्ञप्तिधारी इसके अधीन विनिर्दिष्ट समय अनुसूची के अनुसार इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट अनुज्ञप्ति फीस का संदाय करेगा ।
- (ञ) अनुज्ञप्तिधारी वर्ष में चार क्रमवर्ती तिमाही के लिए व्यापार क्रियाकलाप आरंभ करने हेतु कोई लोप नहीं करेगा या उपेक्षा नहीं करेगा ।
- (ट) अनुज्ञप्तिधारी ऐसा कोई प्रमुख करार नहीं करेगा जिससे उसकी प्रधान स्थिति का दुरुपयोग होता है या किसी ऐसे समुच्चय में प्रवेश करता है जिससे विद्युत उद्योग में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है या प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।
- (ठ) अनुज्ञप्तिधारी अपने ग्राहकों और उसके द्वारा अन्य पक्षकारों के साथ आरंभ किए गए संव्यवहारों का अद्यतन अभिलेख रखेगा ।

8. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप

- (1) अनुज्ञप्तिधारी आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना:—
- (i) किसी अन्य अनुज्ञप्तिधारी की उपयोगिता को क्रय करके या ग्रहण करके या अन्यथा अर्जित नहीं करेगा ; या
- (ii) अपनी उपयोगिता का किसी अन्य अनुज्ञप्तिधारी की उपयोगिता के साथ विलय नहीं करेगा ; या
- (iii) क्रय, पट्टा, विनिमय या अन्यथा द्वारा अपनी अनुज्ञप्ति को किसी व्यक्ति को नहीं सौंपेगा या उसे अंतरित नहीं करेगा ।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी विद्युत के पारेषण के कारबार में नहीं लगेगा ।

- (3) जब कभी आयोग का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित हो, अनुज्ञप्तिधारी कारबार का संचालन विनियमों के अनुसार, आयोग के समक्ष समुचित आवेदन फाइल करेगा।

9. अनुज्ञप्ति फीस का संदाय

- (1) अनुज्ञप्तिधारी आयोग को नीचे विनिर्दिष्ट रकम की वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस का संदाय करेगा, जो सहायक सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट या संदाय आदेश द्वारा संदेय होगी :—

क्र.सं०	प्रवर्ग	प्रतिवर्ष व्यापार किए जाने के लिए प्रस्तावित विद्युत की मात्रा (किलो वाट, घंटों में)	अनुज्ञप्ति फीस (रुपए लाख में)
1	क	100 मिलियन तक	1.00
2	ख	100 से 200 मिलियन	2.00
3	ग	200 से 500 मिलियन	5.00
4	घ	500 से 700 मिलियन	7.00
5	ङ	700 से 1000 मिलियन	10.00
6	च	1000 से ऊपर	15.00

परन्तु यह कि वर्ष के भाग के लिए अनुज्ञप्ति फीस दिनों की संख्या के आधार पर यथानुपात संदेय होगी :

परन्तु यह और कि वर्ष के भाग के लिए आनुपातिक आधार पर संगणित अनुज्ञप्ति फीस को सौ रुपए तक पूर्णांकित किया जाएगा।

- (2) अनुज्ञप्ति फीस प्रत्येक वर्ष के 15 अप्रैल तक संदत्त की जाएगी और यदि व्यापारी ने निम्न प्रवर्ग से उच्च प्रवर्ग की ओर व्यापार किया है तो अनुज्ञप्ति फीस का शेष प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल से पूर्व संदत्त किया जाएगा :

परन्तु यह कि अनुज्ञप्ति फीस की पहली किस्त, अनुज्ञप्ति जारी होने की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर संदत्त की जाएगी :

परन्तु यह और कि यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति फीस या उसके भाग का संदाय करने में असफल रहता है तो वह अनुज्ञप्ति फीस की अवधि या उसके असंदत्त किसी भाग के लिए प्रत्येक फीस या उसके किसी भाग के लिए संदेय अनुज्ञप्ति फीस के 1% की दर से बकाया रकम पर देर से संदाय करने वाले अधिभार का संदाय करने के लिए दायी होगा ।

- (3) यथापूर्वोक्त देर से संदाय करने वाले अधिभार का संदाय करने की अनुज्ञप्तिधारी के दायित्व के अधीन रहते हुए, अनुज्ञप्ति फीस या उसके भाग के संदाय में विलंब का अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों के भंग के रूप में अर्थ लगाया जाएगा और अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहत कर लिया जाएगा ।

10. अनुज्ञप्तिधारी के लेखे.

- (1) अनुज्ञप्तिधारी,-

(क) अनुज्ञप्ति में सम्मिलित अंतर-राज्यिक व्यापार के कारबार के लिए लेखाओं की पृथक् जानकारी देगा और विवरणों को बनाए रखेगा ।

(ख) ऐसे प्ररूप में लेखाओं का विवरण बनाए रखेगा और उसमें ऐसी विशिष्टियां अंतर्विष्ट होंगी जो आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं और ऐसे समय तक जब तक, ये आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, समय-समय पर यथासंशोधित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अनुसार लेखाओं को बनाए रखेगा ।

(ग) अंतर-राज्यिक व्यापार के कारबार के लेखाओं को अन्य कारबार से पृथक् रखेगा चाहे वे अनुज्ञप्त हों या अन्यथा ।

- (घ) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए समरूप आधार पर ऐसे अभिलेख लेखांकन विवरणों को तैयार करेगा जिसमें लाभ और हानि लेखा, तुलनपत्र और स्रोत का विवरण तथा उसके टिप्पणों सहित निधियों का उपयोजन होगा और उसमें ऐसे किसी भी राजस्व, लागत, आस्ति, दायित्व, आरक्षिति या प्रावधान की रकम पृथक् रूप से दर्शित करेगा जो,-
- (i) किसी अन्य कारबार से या उसको उस प्रभार के आधार के विवरण के साथ प्रभारित की गई हो, या
 - (ii) प्रभाजन या आबंटन के आधार के वर्णन के साथ-साथ विभिन्न कारबार या क्रियाकलापों के बीच प्रभाजन या आबंटन द्वारा अवधारित की गई हो,
- (ङ) पूर्वगामी खंडों के अनुसार, प्रत्येक वर्ष के संबंध में लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट के संबंध में, तैयार किए गए लेखांकन विवरण प्रदान करेगा चाहे उनकी राय में यह कथन किया गया हो कि विवरण पर्याप्त रूप से तैयार किए गए हैं और ऐसे कारबार, जिससे संबंधित वे विवरण हैं, से युक्तियुक्त रूप से हुए माने जा सकने वाले राजस्व, लागत, आस्तियां और दायित्व, आरक्षितियों का ठीक और स्पष्ट दृष्टिकोण देगा, और
- (च) उस वर्ष, जिससे वे संबंधित हैं, की समाप्ति के पश्चात् नौ मास से अन्यून की लेखांकन विवरणों और संपरीक्षकों की रिपोर्ट की प्रति आयोग को देगा ।
- (2) आयोग द्वारा प्राधिकृत कोई भी व्यक्ति अनुज्ञप्तिधारी के लेखाओं का निरीक्षण करने और उन्हें सत्यापित करने का हकदार होगा और अनुज्ञप्तिधारी ऐसे व्यक्ति को सभी आवश्यक सहायता देगा ।

11. जानकारी का दिया जाना

अनुज्ञप्तिधारी—

- (क) ऐसी जानकारी देगा, जो समय-समय पर, आयोग द्वारा मांगी जाए ;

(ख) ऐसी जानकारी देगा, जो अनुज्ञप्तिधारी के कार्य-निष्पादन का मानीटर करने और जानकारी देने के लिए इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप 3 में अपेक्षित अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों तथा अन्य विधायी अथवा विनियामकों के अनुपालन के लिए, समय-समय पर, अपेक्षित हो :

परन्तु यह कि विहित प्ररूप में जानकारी आयोग को उसकी एक प्रति सहित, यथास्थिति, प्रादेशिक प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक विद्युत बोर्ड या प्रादेशिक ऊर्जा समिति को क्रमशः, जनवरी से मार्च, अप्रैल से जून, जुलाई से सितंबर और अक्टूबर से दिसंबर के तिमाही के लिए अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर और उसके जनवरी के 10वें दिन को तिमाही आधार पर दी जाएगी और जानकारी देने वाले प्ररूप को पूर्ण रूप से भरा जाएगा और और कोई भी स्तंभ को खाली नहीं छोड़ा जाएगा :

परन्तु यह और कि, यथास्थिति, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक विद्युत बोर्ड या प्रादेशिक ऊर्जा समिति को भेजी गई रिपोर्ट को विद्युत व्यापारी की वेबसाइट या किसी अन्य प्राधिकृत वेबसाइट पर डाला जाएगा :

परन्तु यह भी कि, यथास्थिति, प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र और प्रादेशिक विद्युत बोर्ड या प्रादेशिक विद्युत समिति रिपोर्ट में यथाउपदर्शित व्यापार की गई ऊर्जा की मात्रा को सत्यापित करेगा और उसके संबंध में आयोग को एक रिपोर्ट भेजेगा ।

12. कार्य-निष्पादन के मानक

- (1) आयोग, अनुज्ञप्तिधारी से परामर्श करने के पश्चात्, अनुज्ञप्तिधारी या अनुज्ञप्तिधारियों के किसी वर्ग के लिए कार्य-निष्पादन के मानक विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।
- (2) अनुज्ञप्तिधारी उपरोक्त खंड (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, आगामी तिमाही के पहले मास के पन्द्रहवें दिन तक इन विनियमों से उपाबद्ध प्ररूप-4 में विहित प्ररूप में 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर और 31 दिसम्बर को समाप्त होने वाले तिमाही के लिए त्रैमासिक आधार पर आयोग को प्रत्येक वर्ष के कार्य-निष्पादन के बारे देगा ।

13. विवेकाधीन रिपोर्ट करना

अनुज्ञप्तिधारी यथासाध्यशीघ्रता से आयोग को,—

- (क) अपनी उन परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन के संबंध में, रिपोर्ट देगा जिससे अनुज्ञप्तिधारी की योग्यता पर अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों, आयोग द्वारा जारी किए गए निदेशों और आदेशों, ग्रिड कोड, करार या अनुज्ञप्ति के अधीन उसकी बाध्यताओं को पूरा करने के लिए प्रभाव पड़े ;
- (ख) किसी ऐसी तात्त्विक बात के संबंध में, रिपोर्ट देगा जिससे अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों, आयोग द्वारा जारी किए गए निदेशों और आदेशों, ग्रिड कोड, करार या अनुज्ञप्ति के उपबंध भंग हों ; और
- (ग) अनुज्ञप्तिधारी के शेयरधारण पैटर्न, स्वामित्व या प्रबंध प्रोफाइल में कोई मुख्य परिवर्तन के संबंध में रिपोर्ट देगा ।

14. अनुज्ञप्ति का संशोधन

- (1) अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों को आयोग द्वारा लोक हित में या अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किए गए आवेदन पर उपांतरित किया जा सकेगा ।
- (2) यदि अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों में किसी भी परिवर्तन या उपांतरण के लिए आवेदन करता है तो इसमें ऊपर विनियम 4 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी ।

15. अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण

- (1) अधिनियम की धारा 19 के अनुसार आयोग निम्नलिखित किसी भी दशा में, किसी अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहृत कर सकेगा, अर्थात् :—

- (i) जहां आयोग की राय में, अनुज्ञप्तिधारी, इस अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों द्वारा या उसके अधीन अपेक्षित कोई बात करने में जानबूझकर और बिलंबित व्यतिक्रम करता है ;
- (ii) जहां अनुज्ञप्तिधारी अपनी अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों में से किसी को भंग करता है, जिसके भंग होने से ऐसी अनुज्ञप्ति द्वारा उसके प्रतिसंहरण का दायी होना स्पष्ट रूप से घोषित है ;
- (iii) जहां अनुज्ञप्तिधारी अपनी अनुज्ञप्ति द्वारा इस निमित्त नियत अवधि के भीतर या किसी ऐसी दीर्घतर अवधि के भीतर, असफल रहता है जो आयोग अपने समाधानप्रद रूप में यह दर्शित करने के लिए अनुज्ञात करे कि वह अनुज्ञप्ति द्वारा उस पर अधिरोपित कर्तव्यों और बाध्यताओं का पूर्णतः और दक्षतापूर्ण निर्वहन करने की स्थिति में है ;
- (iv) जहां आयोग की राय में, अनुज्ञप्तिधारी की वित्तीय स्थिति ऐसी है कि वह अपनी अनुज्ञप्ति द्वारा उसे अधिरोपित कर्तव्यों और बाध्यताओं का पूर्णतः तथा दक्षतापूर्ण निर्वहन करने में असमर्थ है ;
- (v) जहां अनुज्ञप्तिधारी चार पूर्ववर्ती तिमाही के लिए विद्युत में व्यापार करने में असफल हो गया है या उसने अपेक्षा की है :

परन्तु यह कि अनुज्ञप्ति को केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित रीति से अधिनियम की धारा 143 के अधीन, सिवाय आयोग द्वारा नियुक्त न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा जांच किए जाने के पश्चात् प्रतिसंहृत नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि आयोग उपरोक्त खंड (1) के अधीन किसी अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण करने के बजाय, उसे ऐसे अतिरिक्त निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह अधिरोपित करना ठीक समझे, प्रवर्तन में बने रहने के लिए अनुज्ञात कर सकेगा और इस प्रकार अधिरोपित कोई भी अतिरिक्त निबंधन और शर्त अनुज्ञप्तिधारी

पर आबद्धकर होगी तथा उसके द्वारा उनका पालन किया जाएगा और ऐसे निबंधनों और शर्तों का वैसा ही बल और प्रभाव होगा मानो वह अनुज्ञप्ति में अंतर्विष्ट हों ।

- (2) जब अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण के लिए आवेदन करता है और आयोग का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा लोक हित में अपेक्षित है तो आयोग उसकी अनुज्ञप्ति को ऐसे निबंधनों और शर्तों पर, जो वह ठीक समझे, प्रतिसंहत कर सकेगा :
- (3) आयोग अनुज्ञप्तिधारी पर प्रतिसंहरण की सूचना की तामील करेगा तथा वह तारीख नियत करेगा जिस तारीख को प्रतिसंहरण प्रभावी होगा ।

16. पत्र-व्यवहार

- (1) अनुज्ञप्ति से संबंधित सभी पत्र-व्यवहार लिखित में होंगे और संबोधिती को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत अभिकर्ता को भेजे जाएंगे या संबोधिती के कारबार के स्थान पर रजिस्ट्रीकृत या स्पीड डाक द्वारा भेजे जाएंगे ।
- (2) सभी संसूचनाएं भेजने वाले द्वारा तब दी गई और संबोधिती द्वारा तब प्राप्त की गई समझी जाएंगी जब-
 - (i) संबोधिती को व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत अभिकर्ता को भेजी जाती हैं ; और
 - (ii) संबोधिती के पते पर रजिस्ट्रीकृत या स्पीड डाक द्वारा भेजने की तारीख से पन्द्रह दिन की समाप्ति पर भेजी जाती हैं ।

17. शिथिल करने की शक्ति

आयोग समुचित मामलों में और लिखित में अभिलिखित किए जाने वाले कारणों के लिए इन विनियमों के किसी भी उपबंध को शिथिल कर सकेगा ।

ए. के. सचान, सचिव

[विज्ञापन III/IV/असाधारण/150/03]

अनुसूची-III

अंतर-राज्यीय व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए आवेदन का प्रारूप**आवेदक की विवरणियाँ**

1. आवेदक का नाम :
2. पता :
3. नाम, पदनाम और संपर्क करने वाले व्यक्ति का पता :
4. संपर्क टेलीफोन नम्बर
5. फैक्स नम्बर
6. ई-मेल आई डी
7. सम्मानोत्पन्न/रजिस्ट्रीकरण का स्थान
8. सम्मानोत्पन्न/रजिस्ट्रीकरण का वर्ष
9. निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाने हैं
 - (क) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र
 - (ख) कारोबार आरंभ करने का प्रमाणपत्र
 - (ग) संगम-ज्ञापन और संगम-अनुच्छेद
 - (घ) आवेदक या उसके संपर्कीक.....की हस्ताक्षरकर्ता के मूल मुहरासनाम की सुपदीगी
 - (ङ) आवेदक रजिस्ट्रीकरण के बारे

आवेदक के वित्तीय आंकड़ों के ब्यौरे

10. पिछले ठीक पांच वित्तीय वर्षों के लिए कुल धन (भारतीय रुपए के समकक्ष-प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में विद्यमान विनियम की दर पर संपरिवर्तन किया जाना है) (यथा लागू वित्तीय वर्ष विनिर्दिष्ट करें)

(ता०/मास/वर्ष) से (ता०/मास/वर्ष) स्वदेशी करेंसी प्रयुक्त विनियम दर भारतीय रुपए के समकक्ष

(क) वर्ष 1() से () तक	---	----	-----
(ख) वर्ष 2() से () तक	---	----	-----
(ग) वर्ष 3() से () तक	---	----	-----
(घ) वर्ष 4() से () तक	---	----	-----
(ङ) वर्ष 5() से () तक	---	----	-----

(च) उपरोक्त के समर्थन में वार्षिक रिपोर्टें या प्रमाणित संपरीक्षित परिणामों की प्रतियां संलग्न की जानी हैं ।

11. पिछले ठीक पांच वित्तीय वर्षों के वार्षिक आवर्तन (भारतीय रुपए के समकक्ष-प्रत्येक वर्ष के अंत में विद्यमान विनियम की दर पर संपरिवर्तन किया जाना है)(यथा लागू वित्तीय वर्ष विनिर्दिष्ट करें)

(ता०/मास/वर्ष) से (ता०/मास/वर्ष) स्वदेशी करेंसी प्रयुक्त विनियम दर भारतीय रुपए के समकक्ष

(क) वर्ष 1() से () तक	---	----	-----
(ख) वर्ष 2() से () तक	---	----	-----
(ग) वर्ष 3() से () तक	---	----	-----

(घ) वर्ष 4() से () तक --- ---

(ङ) वर्ष 5() से () तक --- ' ---

(च) उपरोक्त के समर्थन में, वार्षिक रिपोर्टों या प्रमाणित संपरीक्षित परिणामों की प्रतियां संलग्न की जानी हैं।

12. उपरोक्त क्रम सं० (10) और (11) के समर्थन में, निम्नलिखित संलग्न दस्तावेजों की सूची :

दस्तावेज का नाम

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

13. (क) क्या आवेदक स्वयं अपने तुलन-पत्र पर प्रस्तावित व्यापार का हां/नहीं
पूर्णतया वित्तपोषण करेगां

(ख) यदि हां, तो आवेदक से प्रस्तावित इक्विटी

(i) रकम ;

(ii) प्रतिशतता ।

14. यदि आवेदक इक्विटी के लिए किसी अन्य अभिकरण के साथ प्रतिबंध
लगाने के लिए प्रस्तावित है तो ऐसे अभिकरण का नाम और पता :

क) अन्य अभिकरण के संदर्भ व्यक्ति का नाम, पद-नाम और पता

ख) संपर्क टेलीफोन नम्बर

ग) फैक्स नम्बर

घ) ई मेल डी

ङ) अन्य अभिकरण से प्रस्तावित इक्विटी

- (i) रकम
- (ii) कुल इक्विटी की प्रतिशतता
- (iii) वह करेंसी जिसमें इक्विटी प्रस्तावित है
- (च) इक्विटी में भाग लेने के लिए आवेदक के साथ सहबद्ध अन्य अभिकरण के सहमति पत्र को संलग्न किया जाना है
- (छ) आवेदक और अन्य अभिकरण के बीच प्रस्तावित प्रतिबंध की प्रकृति

15. व्यापार क्रियाकलापों के लिए प्रस्तावित ऋण के ब्यौरे

- क) उधारदाता के ब्यौरे
- ख) विभिन्न उधारदाताओं से प्राप्त की जाने वाली रकम
- ग) उपरोक्त के समर्थन में उधारदाताओं के पत्र को संलग्न किया जाना है

16. आवेदक की संगठनात्मक और प्रबंधकीय योग्यता :

(आवेदक से विभिन्न कार्यपालकों, प्रस्तावित कार्यालय और संचार सुविधाओं आदि की प्रस्तावित संगठनात्मक संरचना और बायोडाटा के प्ररूप में इन विनियमों के अनुसार अपनी संगठनात्मक और प्रबंधकीय योग्यता के सबूत को संलग्न करने की अपेक्षा की जाती है)

17. प्रस्ताव और पद्धति :

(आवेदक से व्यापार हस्ताक्षरों की स्थापना के लिए विहित प्रस्ताव और वर्गीकरण की अपेक्षा की जाती है जैसा आवेदक द्वारा प्रस्तावित है)

तारीख :

(आवेदक के हस्ताक्षर)

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत में व्यापार करने के लिए अनुज्ञप्ति

विद्युत अधिनियम, 2003 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “अधिनियम” कहा गया है) की धारा 14 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (जिसे इसमें इसके पश्चात् “आयोग” कहा गया है) अधिनियम (विशिष्टतया, इसकी धारा 17 से धारा 22, जिसमें दोनों सम्मिलित हैं), केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियमों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “नियम” कहा गया है) और आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट विनियमों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “विनियम” कहा गया है) जिनमें कामूनी संशोधन, परिवर्तन, उपांतरण, उसकी अधिनियमितियां भी सम्मिलित हैं, जो इस अनुज्ञप्ति के भाग रूप में पढ़े जाएंगे, में अंतर्विष्ट निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए,क्षेत्र में विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत में व्यापार करने के लिए....., (जिसे इसमें इसके पश्चात् अनुज्ञप्तिधारी कहा गया है) को—प्रवर्ग के रूप में यह अनुज्ञप्ति प्रदान करता है ।

2. सिवाय अधिनियम, नियमों तथा विनियमों के उपबंधों के अनुसार, यह अनुज्ञप्ति अंतरणीय नहीं है ।

3. (1) कोई भी अनुज्ञप्तिधारी, आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना,—

(क) किसी अन्य अनुज्ञप्तिधारी की उपयोगिता के संबंध में, क्रय द्वारा या ग्रहण करके या अन्यथा अर्जित करने का कोई संव्यवहार नहीं करेगा ; या

(ख) अपनी उपयोगिता का किसी अन्य अनुज्ञप्तिधारी के साथ विलयन नहीं करेगा ;

(2) कोई भी अनुज्ञप्तिधारी, किसी भी समय, आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना विक्रय, पट्टे, विनिमय या अन्यथा द्वारा अपनी अनुज्ञप्ति को समनुदिष्ट नहीं करेगा या उसकी उपयोगिता का अंतरण नहीं करेगा ।

(3) उपखंड (1) और उपखंड (2) में निर्दिष्ट किसी संव्यवहार से संबंधित कोई करार जब तक कि वह आयोग के पूर्व अनुमोदन के या उसके अधीन नहीं किया गया हो, शून्य होगा ।

4. अनुज्ञप्तिधारी को यह अनुज्ञप्ति प्रदान करने से विद्युत व्यापारी के रूप में विद्युत का कारबार करने के लिए उसी क्षेत्र में किसी अन्य व्यक्ति को अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए आयोग के अधिकार किसी भी रूप में बाधित या निर्बाधित नहीं होंगे । अनुज्ञप्तिधारी अनन्य रूप से कोई भी दावा नहीं करेगा ।

5. अनुज्ञप्ति इसके जारी होने की तारीख से प्रारंभ होगी और जब तक कि वह पहले प्रतिसंहत नहीं कर ली जाती है, 25 (पच्चीस) वर्ष की अवधि के लिए प्रवर्तन में रहेगी ।

6. अनुज्ञप्तिधारी, आयोग के पूर्व अनुमोदन से, अपनी आस्तियों का अधिकतम उपयोग करने के लिए कोई भी कारबार कर सकेगा :

परन्तु यह कि अनुज्ञप्तिधारी विद्युत के पारेषण का कारबार नहीं करेगा ।

7. आयोग द्वारा जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट हो, अनुज्ञप्तिधारीलाख रुपए की वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस का संदाय करेगा और वर्ष के भाग के लिए अनुज्ञप्ति फीस सौ रुपए के निकटतम तक पूर्णांकित किए गए आनुपातिक आधार पर संदत्त होगी ।

इस खंड के प्रयोजन के लिए, “वर्ष” से कलेंडर वर्ष के 1 अप्रैल से आगामी कलेंडर वर्ष के 31 मार्च तक बारह मास की अवधि अभिप्रेत है ।

8. अधिनियम की धारा 19 से धारा 22, दोनों सहित, में अंतर्विष्ट उपबंध अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण और उसकी उपयोगिता के विक्रय का संबंध में, अनुज्ञप्तिधारी को लागू होंगे ।

स्थान : नई दिल्ली ।

तारीख :

प्ररूप 4

विद्युत व्यापारी के कार्य-निष्पादन के मानक को प्रस्तुत करने वाला प्ररूप

(आयोग और प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र को प्रस्तुत किया जाना है)

व्यापारी का नाम :

अनुज्ञप्ति का ब्यौरा (सं० और तारीख) :

क्र. सं.	तिमाही के दौरान व्यापार की मात्रा	वर्तमान तिमाही तक संचयी व्यापार	क्या व्यापार के प्रवर्ग में कोई परिवर्तन हुआ है	क्या प्रवर्ग में परिवर्तन के कारण शुद्ध धन में वृद्धि हुई है	क्या प्रवर्ग में परिवर्तन के कारण आयोग के पास अतिरिक्त अनुज्ञप्ति फीस जमा की गई है	क्या किसी अभिकरण द्वारा अनुज्ञप्ति शर्त के उल्लंघन को ध्यान में लाया गया है या स्वयं अनुज्ञप्तिधारी द्वारा संश्लेषण किया गया है	व्यापार के लिए क्रय की गई ऊर्जा के ट्रेड रिकार्ड का संवाय	टिप्पणियाँ
			(हां/नहीं)	(हां/नहीं)	(हां/नहीं)			

टिप्पण : (i) प्ररूप 4 में सम्यक् रूप से भरी हुई एक पृथक् प्रति भी प्रत्यक्षतः आयोग को प्रस्तुत की जाएगी ।

(ii) प्रादेशिक भार प्रेषण केन्द्र आयोग को प्ररूप 4 पर व्यापार की मात्रा और पास का सत्यापन करेंगे ।

**CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION
NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th January, 2004

No. L-7/25(6)/2004.—In exercise of powers conferred under Section 178 of the Electricity Act, 2003 and of all other powers enabling in this behalf, and after previous publication, the Central Electricity Regulatory Commission hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER-I: PRELIMINARY

1. Short Title and Commencement

- (a) These regulations shall be called the Central Electricity Regulatory Commission (Procedure, Terms & Conditions for grant of Trading Licence and other related matters) Regulations, 2004.
- (b) These regulations shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions and Interpretation

- (1) In these regulations unless the context or subject-matter otherwise requires,-
 - (a) "Act" means the Electricity Act, 2003, (36 of 2003);
 - (b) "Applicant" means a person who has made an application to the Commission for grant of licence for inter-state trading;

Provided that such person is a resident of India, or a partnership firm registered under the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), or a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or an association or body of individuals whether incorporated or not or an artificial juridical person subject to Indian laws.

(c) "Agreement" means the agreement entered into between the electricity trader and the seller of electricity on the one hand and the electricity trader and the buyer of electricity on the other;

(d) "Commission" means the Central Electricity Regulatory Commission referred to in Section 76 of the Act;

(e) "Conduct of Business Regulations" means the Central Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 1999, as amended from time to time and includes any statutory re-enactment thereof;

(f) "Grid Code" means the Grid Code specified by the Commission under clause (h) of sub-section (1) of Section 79 of the Act and includes the Indian Electricity Grid Code applicable on the date of commencement of these regulations;

(g) "Inter-state trading" means transfer of electricity from the territory of one State to the territory of another State by an electricity trader;

(h) "Licence" means a licence granted under Section 14 of the Act to undertake inter-state trading in electricity as an electricity trader;

(i) "Licensee" means a person who has been granted a licence under Section 14 of the Act to undertake inter-state trading in electricity as an electricity trader;

(j) "Other Business" means any business of the licensee other than the licensed business of inter-state trading;

(k) "Year" means a period of twelve months from 1st April of a calendar year to 31st March of the following calendar year;

(2) Save as aforesaid and unless repugnant to the context or the subject-matter otherwise requires, words and expressions used in these regulations and not defined, but defined in the Act, and the Grid Code shall have the meanings assigned to them respectively in the Act or the Grid Code.

(3) The provisions of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) as amended from time to time shall apply for the interpretation of these regulations as they apply for the interpretation of an Act of Parliament.

(4) These regulations shall be applicable to trading carried out bilaterally between the generating company, including captive generating plant, distribution licensee and the electricity trader on the one hand and the electricity trader and the distribution licensee on the other.

Provided that the scope and applicability of these regulations may be reviewed from time to time to keep pace with the developments of formulation of regulations for open access in distribution by the State Electricity Regulatory Commissions or introduction of power exchange market by the Commission.

CHAPTER- II : PROCEDURE FOR GRANT OF LICENCE FOR INTER-STATE TRADING

3. All proceedings under these regulations shall be governed by the Conduct of Business Regulations.

4. (1) The application for grant of licence for inter-state trading shall be made to the Commission in the manner specified under these regulations, in Form-I appended to these regulations and shall be accompanied by such fee as may be prescribed by the Central Government:

Provided that till such time the fee is prescribed by the Central Government, the application for grant of licence for inter-state trading shall be accompanied by a fee of Rs.1.00 lakh (Rupees one lakh only) payable through Bank Draft/Pay Order drawn in favour of Assistant Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi, and the fee so paid shall be subject to adjustment as and when the fee is prescribed by the Central Government.

(2) The application for grant of licence for inter-state trading, along with annexures and enclosures shall also be submitted to the Commission on compact disc (CD).

(3) The applicant shall post complete application along with annexures and enclosures on his own website or any other authorised website, so as to facilitate access to the application by any person through Internet.

(4) The applicant shall within 7 days after making such application, publish a notice of his application, in at least two national English daily newspapers, including one economic newspaper and two local newspapers falling within the area or areas of trading, one of which shall be in vernacular, with the following particulars, namely:-

- (a) Name of the applicant in bold at the top clearly bringing out whether the applicant is an individual, a partnership firm registered under the Indian Partnership Act 1932 (9 of 1932), a private limited company or a public limited company, incorporated under the Companies Act, 1956, (1 of 1956) giving full particulars of its office address and also the registered office address in case of a Company incorporated under the Companies Act, 1956;

- (b) A statement that the applicant has made an application for grant of licence in inter-state trading under sub-section (1) of Section 15 of the Act, to the Central Electricity Regulatory Commission;
- (c) Share holding pattern, financial and technical strength and management profile of the applicant;
- (d) Volume of power intended to be traded during the first year after grant of licence and the future plans for trading during the next 5 years;
- (e) Details of past experience of the applicant or the persons on its management in same or similar activity;
- (f) Geographical areas within which the applicant will undertake trading in electricity as stated in the application made to the Commission;
- (g) A statement to the effect that the application and other documents filed before the Commission from time to time, are available for inspection with the applicant, by any person;
- (h) Name and address and other relevant details of the person under the control of the applicant with whom the application and other documents can be inspected by any person;
- (i) A statement to the effect that complete application is available on the website of the applicant or any other authorised website alongwith the details of the website where the application is made available;
- (j) A statement that objections, if any, be filed before the Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, 7th Floor, Core-3, Scope Complex, Lodhi Road, New Delhi - 110 003 or at the address where office of the Commission is situate, with a copy of the objections to the applicant, within 30 days of publication of the notice;

(5) The applicant shall within 7 days from the date of publication of the notice as aforesaid submit to the Commission on affidavit the details of the notice published and shall also file relevant copies of the newspapers in which the notice is published.

(6) The applicant may file his comments on the objections or suggestions received in response to the notice within 45 days of its publication in the newspapers.

(7) The Commission may consider the application for grant of licence for inter-state trading through a hearing or without any hearing, as considered appropriate:

Provided that the Commission may issue a licence for inter-state trading on being satisfied that the applicant qualifies for issue of such licence under the provisions of the Act and the Rules and the Regulations:

Provided further that before granting the licence, the Commission shall publish a notice of its proposal to grant the licence in two daily newspapers, as the Commission may consider necessary, stating the name and address of the person to whom it proposes to issue the licence, with such other details as the Commission considers appropriate.

(8) As far as practicable the licence shall be granted in accordance with format prescribed in Form 2 appended to these regulations.

CHAPTER III – REQUIREMENTS OF BEING AN ELECTRICITY TRADER

5. Technical Requirements

(1) The applicant shall have at least one full-time professional having, experience in each of the following disciplines, namely:-

- (i) Power System Operations and commercial aspects of power transfer, and
- (ii) Finance, commerce and accounts .

(2) The technical requirement of staff shall be complied with before undertaking trading activities, notwithstanding the fact that the Commission has granted the licence for inter-state trading.

(3) The applicant shall furnish to the Commission the details of the professional and the supporting staff engaged by him on full-time basis before undertaking inter-state trading.

6. Capital adequacy Requirement and Creditworthiness: Considering the volume of inter-state trading proposed to be undertaken, the net worth of the electricity trader at the time of application shall not be less than the amounts specified hereunder:

Sl. No.	Category of the Trading Licence	Volume of Electricity proposed to be traded (in Kilo – Watt Hours)	Net worth (Rs. in crore)
1	A	Upto 100 million	1.50
2	B	100 to 200 million	3.0
3	C	200 to 500 million	7.5
4	D	500 to 700 million	10.0
5	E	700 to 1000 million	15.00
6	F	Above 1000 million	20.00

CHAPTER - IV : TERMS AND CONDITIONS OF THE LICENCE

7. Obligations of the Licensee

The licensee shall be subject to the following obligations; namely:-

- (a) The licensee shall comply with the requirements of laws in force and, in particular, the Act, the Rules and the Regulations, Grid Code, orders and directions issued by the Commission and the State Electricity Regulatory Commission (s) from time to time;
- (b) The licensee shall increase his net worth if the volume of trade moves from a lower category to a higher category and the change of category shall be decided based on the volume of electricity traded as on 31st March of each year, and of which the licensee shall keep the Commission informed of his moving from one category to the other and subsequent changes in the net worth;
- (c) The licensee shall be subject to the trading margins for the inter-state trading as fixed by the Commission, from time to time;
- (d) The licensee shall be governed by the technical requirements, capital adequacy requirements and creditworthiness specified by the Commission in these regulations; for being an electricity trader and shall upgrade these technical and capital adequacy requirements, including staff, when the volume of trading increases;
- (e) The licensee shall establish adequate communication facilities like telephone, fax, computer, internet facilities, before undertaking trading;
- (f) The licensee shall coordinate with Regional Electricity Boards or Regional Power Committees, as the case may be, the Regional Load Despatch Centres/State Load Despatch Centres, and Central Transmission Utility/State Transmission Utilities with regard to all trading-related activities;
- (g) The licensee shall render all assistance to any person authorised by the Commission for carrying out his duties relating to the licence;

- (h) Trading shall be carried out bilaterally between the parties by entering into appropriate contracts. Necessary safeguards with regard to supply of electricity through trading, or payment for the electricity traded shall be included in the agreements between the parties. All trading arrangements shall be done through the letters of credit or with any other superior instrument;
- (i) The licensee shall pay the licence fee specified under these regulations in accordance with the time-schedule specified hereunder;
- (j) The licensee shall not omit or neglect to undertake trading activity for four consecutive quarters;
- (k) The licensee shall not enter into any agreement leading to abuse of his dominant position or enter into a combination which is likely to cause or causes an adverse effect on competition in electricity industry;
- (l) The licensee shall maintain up-to-date record of his customers and the transactions undertaken by him with other parties.

8. Prohibited Activities

- (1) The licensee shall not, without prior approval of the Commission:
 - (i) Acquire by purchase or take over or otherwise the utility of any other licensee; or
 - (ii) Merge his utility with the utility of any other licensee; or
 - (iii) Assign or transfer his licence to any person, by sale, lease, exchange or otherwise.
- (2) The licensee shall not engage in the business of transmission of electricity.

(3) Wherever prior approval of the Commission is required, the licensee shall file an appropriate application before the Commission, in accordance with the Conduct of Business Regulations.

9. Payment of Licence Fee

(1) The licensee shall pay to the Commission the annual licence fee of the amount specified hereunder, payable by means of a demand draft or pay order drawn in favour of Assistant Secretary, Central Electricity Regulatory Commission, New Delhi:

Sl. No.	Category	Volume of Electricity proposed to be traded per annum (in Kilo – Watt Hours)	Licence fee (Rs. in lakh)
1	A	Upto 100 million	1.00
2	B	100 to 200 million	2.00
3	C	200 to 500 million	5.00
4	D	500 to 700 million	7.00
5	E	700 to 1000 million	10.00
6	F	Above 1000 million	15.00

Provided that for a part of the year, the licence fee shall be payable pro rata on number of days basis:

Provided further that the licence fee calculated on pro rata basis for a part of the year shall be rounded off to nearest hundred rupees.

(2) The licence fee shall be paid by 15th April of each year, and in case the licensee has moved from a lower category to a higher category, the balance of licence fee shall be paid before 30th April of each year:

Provided that the first installment of the licence fee shall be paid within a period of one month from the date of issue of licence:

Provided further that in case the licensee fails to pay the licence fee or a part thereof, the licensee shall be liable to pay late payment surcharge

(e) Provide in respect of the accounting statements presented in on the outstanding amount at the rate of 1% of the licence fee payable per month or a part of the month, for the period the licence fee or any part thereof remains unpaid.

(3) Notwithstanding the liability of the licensee to pay the late payment surcharge as aforesaid, the delay in payment of licence fee or a part thereof, shall be construed as breach of the terms and conditions of the licence and the licence shall be liable to be revoked.

10. Accounts of the Licensee

- (1) The licensee shall -
- Maintain separate information and statement of accounts for the business of inter-state trading covered by the licence;
 - Maintain the statement of accounts in such form and contain such particulars as may be specified by the Commission and till such time these are specified by the Commission, the accounts shall be maintained in accordance with the Companies Act, 1956, (1 of 1956) as amended from time to time;
 - Keep the accounts of the business of inter-state trading separate from other business, whether licensed or otherwise;
 - Prepare on a consistent basis from such records accounting statements for each financial year comprising a profit and loss account, a balance sheet and a statement of source and application of funds together with notes thereto and showing separately the amounts of any revenue, cost, asset, liability, reserve, or provision which has been either:
 - Charged from or to any other business together with a description of the basis of that charge; or
 - Determined by apportionment or allocation between the various business activities together with a description of the basis of the apportionment or allocation.

- (e) Provide in respect of the accounting statements prepared in accordance with foregoing clauses, a report by the Auditors in respect of each year, stating whether in their opinion the statements have been properly prepared and give a true and fair view of the revenue, costs, assets, and liabilities, reserves reasonably attributable to the business to which the statements relate, and
- (f) Submit to the Commission copies of the accounting statements and Auditor's report not later than nine months after the close of the year to which they relate.

(2) Any person authorised by the Commission shall be entitled to inspect and verify the accounts of the licensee and the licensee shall render all necessary assistance to such person.

11. Submission of Information

The licensee shall,-

- (a) Supply such information, as may be called for by the Commission from time to time;
- (b) Furnish the information as may be required from time to time, to monitor the licensee's performance and compliance of the terms and conditions of the licence and any other legislative or regulatory requirement in Form III appended to these regulations for submission of information:

Provided that the information in the prescribed Form shall be furnished to the Regional Load Despatch Centre and Regional Electricity Board or Regional Power Committee, as the case may be with a copy to the Commission, on a quarterly basis on 10th day of April, July, October and January for the quarters January to March, April to June, July to September and October to December

respectively and the format for submission of information shall be filled up complete in all respects and no column shall be left blank:

Provided further that the report sent to the Regional Load Despatch Centre and the Regional Electricity Board or the Regional Power Committee, as the case may be, shall be posted on the website of the electricity trader or any other authorised website:

Provided also that the Regional Load Despatch Centre and Regional Electricity Board or Regional Power Committee, as the case may be, shall verify the quantum of energy traded, as indicated in the reports and submit a report to the Commission.

12. Standards of performance

(1) The Commission may, after consultation with the licensee specify the standards of performance of a licensee or a class of licensees.

(2) Notwithstanding anything contained in Clause (1) above, the licensee shall furnish the performance details for each year to the Commission on quarterly basis for the quarter ending 31st March, 30th June, 30th September and 31st December in the format prescribed in Form - IV appended to these regulations, by 15th day of the first month of the following quarter.

13. Prudential Reporting

The licensee shall, as soon as practicable, report to the Commission:

- (a) Any significant change in his circumstances which may affect the licensee's ability to meet his obligations under the Act, the Rules and the Regulations, directions and orders issued by the Commission, the Grid Code, agreement or the licence;

- (b) Any material breach of the provisions of the Act, the Rules and the Regulations, directives and orders issued by the Commission, the Grid Code, agreement or the licence; and
- (c) Any major change in shareholding pattern, ownership or management of the licensee.

14. Amendment of Licence

- (1) The terms and conditions of the licence may be modified by the Commission in public interest or on an application made by the licensee.
- (2) The procedure specified in Regulation 4 hereinabove shall *mutatis mutandis* be applicable in case the licensee makes an application for any alteration or modification to the terms and conditions of the licence.

15. Revocation of Licence

- (1) The Commission may revoke the licence in accordance with Section 19 of the Act, in any of the following circumstances, namely:-
 - (i) Where the licensee in the opinion of the Commission, makes wilful and prolonged default in doing anything required of him by or under the Act, or the Rules or the Regulations;
 - (ii) Where the licensee breaches any of the terms and conditions of his licence, the breach of which is expressly declared by such licence to render it liable to revocation;
 - (iii) Where the licensee fails, within the period fixed in this behalf by his licence, or any longer period which the Commission may allow therefor, to show to the satisfaction of the Commission, that he is in a position fully and efficiently to discharge the duties and obligations imposed on him by his licence;

(iv) Where in the opinion of the Commission the financial position of the licensee is such that he is unable to fully and efficiently discharge the duties and obligations imposed on him by his licence;

(v) Where licensee has failed or neglected to undertake trading in electricity for four consequent quarters;

Provided that the licence shall not be revoked except after an enquiry by the adjudicating officer appointed by the Commission under Section 143 of the Act in the manner prescribed by the Central Government:

Provided further that the Commission may, instead of revoking a licence under clause (1) above, permit the licence to remain in force subject to such further terms and conditions as it thinks fit to impose, and any further terms and conditions so imposed shall be binding upon and be observed by the licensee and shall be of like force and effect as if they were contained in the licence.

(2) When the licensee makes an application for revocation of the licence and the Commission is satisfied that public interest so requires, the Commission may revoke his licence, on such terms and conditions as it thinks fit.

(3) The Commission shall serve a notice of revocation upon the licensee and fix a date on which the revocation shall take effect.

16. Communication

(1) All communications relating to the licence shall be in writing and shall be delivered either in person to the addressee or his authorized agent, or sent by registered or speed post at the place of business of the addressee.

(2) All communications shall be regarded to have been given by the sender and received by the addressee, –

- (i) when delivered in person to the addressee or to his authorised agent;
- (ii) on expiry of 15 days from the date of sending by registered or speed post at the address of the addressee.

17. Power to relax

The Commission may in appropriate cases and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these regulations.

A. K. SACHAN, Secy.
[ADVT III/IV/Extraordinary/150/03]

FORM - I

Application form for grant of Inter-State Trading Licence

Particulars of the Applicant

- 1. Name of the applicant :
- 2. Address :
- 3. Name, Designation & Address
of the contact person :
- 4. Contact Tel. Nos. :
- 5. Fax No. :
- 6. E-mail ID :
- 7. Place of Incorporation/Registration :
- 8. Year of Incorporation/Registration :
- 9. Following documents are to be enclosed
 - a) Certificate of registration
 - b) Certificate for commencement
of business

- c) Memorandum of Association and Articles of Association :
- d) Original power of attorney of the signatory to commit the Applicant or its promoter :
- e) Details of Income tax Registration :

Details of Financial Data of Applicant

10. Net worth (in equivalent Indian Rupees-conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past 5 (five) financial years. (Specify financial year as applicable)

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
(a) Year 1() to ()	_____	_____	_____
(b) Year 2() to ()	_____	_____	_____
(c) Year 3() to ()	_____	_____	_____
(d) Year 4() to ()	_____	_____	_____
(e) Year 5() to ()	_____	_____	_____

- (f) Copies of Annual Reports or certified audited results to be enclosed in support of above.

11. Annual turnover (in equivalent Indian Rupees - conversion to be done at the rate of exchange prevailing at the end of each year) for immediate past 5 (five) financial years. (Specify financial year as applicable)

(DD/MM/YY) to (DD/MM/YY)

	In Home Currency	Exchange rate used	In equivalent Indian Rs.
(a) Year 1() to ()	_____	_____	_____
(b) Year 2() to ()	_____	_____	_____
(c) Year 3() to ()	_____	_____	_____
(d) Year 4() to ()	_____	_____	_____
(e) Year 5() to ()	_____	_____	_____

- (f) Copies of Annual Reports or certified audited results to be enclosed in support of above.

12. List of documents enclosed in support of Sl. Nos. (10) and (11) above:

Name of the document

- (a) _____
 (b) _____
 (c) _____
 (d) _____

13. (a) Whether applicant himself shall be financing the proposed trading fully on its own balance sheet

Yes/No

- (b) If, yes, proposed equity from the applicant

- (i) Amount :
 (ii) Percentage :

14. In case the applicant proposes to tie up with some other Agency for equity, then name & address of such agency:

(a) Name, designation & Address of reference :
 person of the other Agency

(b) Contact Tel. No. :

(c) Fax No. :

(d) E-mail ID :

(e) Proposed equity from the other Agency

- (i) Amount :
 (ii) Percentage of total equity :
 (iii) Currency in which the equity is proposed :

(f) Consent letter of the other agency to associate with the applicant for equity participation to be enclosed.

(g) Nature of proposed tie-up between the applicant and the other agency.

15. Details of debt proposed for the trading activity:

(a) Details of lenders

- (b) Amount to be sourced from various lenders :
- (c) Letters from the lenders in support of the above to be enclosed. :

16. Organisational & Managerial Capability of the applicant:

(The applicant is required to enclose proof of their Organisational & Managerial Capability, in terms of these regulations, in form of proposed organisational structure & curricula vitae of various executives, proposed office and communication facilities, etc.)

17. Approach & Methodology:

(The applicant is required to describe approach & methodology for establishment of the trading arrangements as proposed by him.)

(Signature of the Applicant)

Dated :

FORM II

CENTRAL ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION

LICENSE TO TRADE IN ELECTRICITY AS AN ELECTRICITY TRADER

1. The Central Electricity Regulatory Commission (hereinafter referred to as "the Commission"), in exercise of the powers conferred under Section 14 of the Electricity Act, 2003 (hereinafter referred to as "the Act"), hereby grants this licence as a Category _____ trader to _____, (hereinafter referred to as "the licensee") to trade in electricity as an electricity trader in the area _____ subject to the terms and conditions contained in the Act, (in particular, Sections 17 to 22 thereof, both inclusive), the Rules made by the Central Government (hereinafter referred to as "the Rules") and the Regulations specified by the Commission (herein after referred to

as "the Regulations"), including statutory amendments, alterations, modifications, reenactments thereof, which shall be read as part and parcel of this licence.

2. This licence is not transferable, except in accordance with the provisions of the Act, the Rules and the Regulations.
3. (1) The licensee shall not without prior approval of the Commission—
 - (a) undertake any transaction to acquire by purchase or take over or otherwise, the utility of any other licensee; or
 - (b) merge its utility with utility of any other licensee;

(2) The licensee shall not at any time assign its licence, or transfer its utility, or any part thereof, by sale, lease, exchange or otherwise without the prior approval of the Commission

(3) Any agreement relating to any transaction referred to in sub-clause (1) and sub-clause (2) unless made with the approval of the Commission, shall be void.
4. The grant of this licence to the licensee shall not in any way hinder, or restrict the right of the Commission to grant a licence to any other person within the same area for trading in electricity as an electricity trader. The licensee shall not claim any exclusivity.
5. This licence shall commence on the date of its issue and unless revoked earlier, shall continue to be in force for a period of 25 (twenty five) years.

6. The licensee may with prior intimation to the Commission, engage in any business for optimum utilisation of its assets.

Provided that the licensee shall not engage in the business of transmission of electricity.

7. Unless otherwise specified by the Commission, the licensee shall pay annual license fee of Rs. ____ lakh, and license fee for a part of the year shall be paid on pro-rata basis rounded off to the nearest hundred rupees.

For the purpose of this clause, the "year" means a period of twelve months from 1st April of a calendar year to 31st March of the following calendar year.

8. The provisions contained in Sections 19 to 22, both inclusive, of the Act shall apply to the licensee with regard to revocation of licence and sale of his utility.

FORM - III

Proforma for submission of information for the Quarter (say January to March, 2004)

Name of the Trader:

License details (No & date):

S.No.	Volume of Trading in million KwHs	Purchased from*	Sold to*	Point of purchase	Purchase price	Point of sale	Sale price	Transmission charges borne by Seller/Trade r/Buyer**	Transmission losses borne by Seller/Trader/Buyer**	UI charges borne by Seller/Buyer**	Trading margin charged	Remarks

Note: All the transactions shall be reported transaction-wise on real time basis and should not be aggregated.

* Besides the name of the seller/buyer, indicate the category of the seller/buyer namely generator, captive power plant, distribution licensee, Government, consumer (when applicable) etc.

** Strike out whichever is not applicable.

FORM - IV**Proforma for submission of Standards of Performance of Electricity Trader****(to be submitted to the Commission and RLDC)**

Name of the Trader:
License details (No. & date):

S.No.	Volume of trading during the quarter	Cumulative trading upto the present quarter	Whether there is any change in the category of trader	Whether networth is increased, due to change of category	Whether additional license fee, due to change in category deposited with the Commission	Whether any violation to the license conditions pointed out by any agency or observed by the licensee himself	Payment track record for energy purchased for trading	Remarks
			(Yes / No)	(Yes / No)	(Yes / No)			

Note: i) A separate copy of duly filled Form IV shall also be submitted to the Commission directly.
 ii) RLDC shall verify the volume of trading & pass on the Form IV to the Commission.